

Sub-Teacher-Wallin Sha S. नई सुबह  
Hindi-Reader

लिखित क्र. 1  
 40-1 ① घर में चिल-चल होने का कारण क्या था? - शादी  
 ② गीता के यति का क्या व्यवसाय था? - इंजीनियर  
 ③ गीता का रिश्ता किसने तम करवाया था? - रामनाथ  
 ④ सब लोग बरातियों की किस बात से परेशान थे? - मांगो  
 ⑤ वर-पक्ष किसको कहते हैं? - लड़का-पक्ष

क्र. 2 ① दहेज एक दंडनीय अपराध है। सत्य  
 ② वस्त्र के लोग ट्रक की मांग करते हैं। असत्य  
 ③ शंभुपुरा वाले लोग लालची थे। - असत्य  
 ④ गीता एक आत्मसम्मान से भरी हुई लड़की थी। सत्य  
 ⑤ कहानी 'दहेज पुत्र' पर आधारित है। - सत्य

क्र. 3 लड़करीय क्र. 1  
 ① वस्त्र के लोग किस चीज की मांग करते हैं?  
 उत्तर - वस्त्र-पक्ष के लोग कार की मांग करते हैं।  
 ② किस बात के कारण गीता का रिश्ता समाप्त हो जाता है एवं  
 बारात जनपासे लौट जाती है?

उत्तर - कार की मांग के कारण गीता का रिश्ता समाप्त  
 हो जाता है एवं बारात जनपासे वापस लौट जाती है।  
 ③ गीता के ताऊ व चाचा किस बात पर झुंझला रहे थे?  
 उत्तर :- गीता के ताऊ व चाचा बारातियों के आइसक्रीम की मांग  
 पर झुंझला रहे थे।

④ श्री रामनाथ जी और उनके भाई शंभुपुरा गाँव क्यों जाते हैं?  
 उत्तर श्री रामनाथ जी और उनके भाई शंभुपुरा गाँव गीता के  
 रिश्ता के लिए जाते हैं।  
 ⑤ वस्त्र द्वारा दहेज मांगे जाने पर उनकी किस मानसिक  
 प्रवृत्ति का यत्न चलता है? बताइए।

उत्तर वस्त्र द्वारा दहेज मांगे जाने पर उनकी लालची  
 प्रवृत्ति का यत्न चलता है।

क्र. 4 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न.  
 1. दहेज एक दंडनीय अपराध है जो हमारे समाज के देश की जड़े  
 धरे-धरे खोखली कर रहा है। जिससे आने वाली पीढ़ियाँ भी  
 प्रभावित होंगी। बताइए कि क्यों दहेज लेना व देना दंडनीय अपराध  
 है।

उत्तर :- दहेज लेना व देना दंडनीय अपराध है क्योंकि जीवनी  
 रिश्ता में दहेज का लेना व देना उचित नहीं है। रिश्ता प्रेम से  
 बनता है जहाँ विचारों में भावना हो।

दीर्घअक्षर ५७.

प्र. ३. सर्वोच्च जेणी के साहस की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - सर्वोच्च जेणी के साहस की विशेषताएँ वे हैं  
दुःख की यकितता तथा उदारता और चरित्र की दृढ़ता।

प्र. ५. साहसी व्यक्ति अपने किन गुणों द्वारा यद्यना जाता है।

उत्तर - साहसी व्यक्ति अपने कर्तव्यपरायणता के गुणों द्वारा यद्यना जाता है।



लिखित अभिव्यक्ति

प्र. 1 (क) युद्धभूमि में पूर्व पद है - युद्ध

(ख) जिसका आनन राज का है, वह कहलाता है। - राजानन

प्र. 2 प्रमाथमि - अव्ययीभाव, प्रतिदिन - अव्ययीभाव

राजानन - बहुव्रीही, गिरिधर - बहुव्रीही

वैलगाड़ी - कृद्वं, राजपुत्र - तत्पुरुष

प्र. 3 (क) समास के मुख्यतः पाँच भेद होते हैं।

(ख) समास का आर्थिक अर्थ है - छोटा करना

जिस समास में दोनों पद प्रधान हो कर्मधारय समास कहलाता है।

प्र. 4 (क) समास किसे कहते हैं?

उत्तर: जब दो या दो से अधिक शब्द मिलकर एक साथ एक शब्द बनाते हैं, तो इस प्रक्रिया को समास कहते हैं।

(ख) समास के कितने भेद होते हैं? नाम बताइए।

उत्तर: समास के छः भेद होते हैं।

① अव्ययीभाव ② तत्पुरुष ③ कर्मधारय

④ द्विगु ⑤ कृद्वं ⑥ बहुव्रीही

(ख) पूर्वपद तथा उत्तरपद से आप क्या समझते हैं? उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

उत्तर: सामासिक पद का पहला पद पूर्व पद कहलाता है।

जैसे :- राजारानी

सामासिक पद का दूसरा पद उत्तर पद कहलाता है।

जैसे :- राजा-रानी

(घ) समास-विग्रह से आप क्या समझते हैं?

उत्तर: समस्त पदों को अलग-अलग कसा ही समास विग्रह कहलाता है।

प्र. 30 - निबन्ध लेखन

① निबन्ध लेखन याद से प्रारंभ और महत्वाशंकी पर निबन्ध 200 शब्दों में निबन्ध लिखें और साफ करें।

② अपने मिनाजी के पास एक पत्र लिखें जिसमें मोबाईल स्मार्टफोन खरीदने के लिए 10,000 रुपये की प्रॉब की गई हो जिससे कि मिनाजी यह पढ़ाई सुचारु रूप से चल सके। 120 शब्दों में



लिखित

- क्र. 1. (क) मध + औषध = मधौषध (ख) शास्त्र + अर्थ = शास्त्रार्थ  
(ग) भो + वन = भवन (घ) सूर्य + उष्म = सूर्योष्म  
(आ) पर + अक्षय = परमक्षय (च) विद्या + आलय = विद्यालय

क्र. 2. (क) वांछि के तीन भेद होते हैं।

- (ख) वर्णों के मेल से हुए विकार से नए शब्द का निर्माण हो जाता है।  
(ग) व्यंजन तथा दूसरे वर्णों का मेल व्यंजन वांछि कहलाता है।  
(घ) स्वरों के मेल को स्वर वांछि कहते हैं।

क्र. 3. (क) स्वर वांछि के तीन भेद होते हैं।

- (ख) वांछि के चार भेद होते हैं।   
(ग) वर्णों के मेल को वांछि कहते हैं।   
(घ) स्वरों के मेल को स्वर वांछि कहते हैं।

क्र. 4. (क) स्वागत - सु + आगत

(ख) उपर्युक्त - उपर + युक्त

(ग) उज्ज्वल - उत् + ज्वल

(घ) निराशा - निः + आशा

क्र. 5. (क) वांछि किसे कहते हैं? दोहरा समझाइए।

उत्तर - दो वर्णों के मेल से उत्पन्न विकार वांछि कहलाता है।

जैसे - विद्या + आलय

(ख) वांछि के किन्तु भेद होते हैं।

उत्तर - वांछि के तीन भेद होते हैं।

(ग) स्वर वांछि किसे कहते हैं? इनके भेदों पर प्रकाश डालिए।

उत्तर - जब दो स्वरों के परस्पर मिलने से विकार उत्पन्न होता है तो उसे स्वर वांछि कहते हैं।  
इनके पाँच भेद होते हैं।

① दीर्घ वांछि - शिव + आलय = शिवालय।

② गुण वांछि - सुर + उष्म = सुरोष्म।

③ वृद्धि वांछि - सदा + रण = सदरण।

④ यण वांछि - इति + आदि = इत्थादि।

⑤ अयादि वांछि - शौ + अकु = शाकुकु।

(घ) वांछि-विच्छेद किसे कहते हैं?

उत्तर - वांछि के नियमानुसार मिले हुए वर्णों को अलग-अलग करने की प्रक्रिया वांछि-विच्छेद कहलाती है।

जैसे दमानंद = दया + जानंद।



अत्रिलक्ष्मीय प्रश्न

- (क) प्रश्न 1. संसार के काम बड़े होते साहस के बिना नहीं होते।  
प्रश्न 2. मध्यम श्रेणी का साहस प्रायः शूरवीरों में पाया जाता है।  
प्रश्न 3. कर्तव्य का विचार प्रत्येक साहसी मनुष्य में होना चाहिए।  
प्रश्न 4. उच्चकोटि के साहस के लिए कुशाग्र बनना आवश्यक है।  
प्रश्न 5. साहसी के हृदय में यक़िन्नता अल्प-त आवश्यक है।
2. मध्यम श्रेणी का साहस प्रायः शूरवीरों में पाया जाता है।  
3. सर्वोच्च श्रेणी के साहस के लिए होश-यैर की बलिबद्धता आवश्यक नहीं है।  
4. उच्चकोटि के साहस के लिए कर्तव्यपरायण बनना आवश्यक है।  
5. सख्साहसी व्यक्ति इसके मनुष्य को दुख से बचाने के लिए प्राण तक देने के लिए तैयार हो जाता है।

लघुउत्तरीय प्रश्न

- प्रश्न 1. किसी देश का इतिहास बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका किसकी होती है?  
उत्तर:- किसी देश का इतिहास बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका साहस की होती है।
- प्रश्न 2. कुछ साहसी लोगों के नाम बताएं जिन्होंने अपने साहस द्वारा कीर्तिमान स्थापित किया।  
उत्तर:- डार्जुन, भीम, मोक्ष, अभिमन्यु, हनीवत, नेपोलियन तैमूर, बाबर, शिवाजी, क्रोमवेल आदि ने अपने साहस द्वारा कीर्तिमान स्थापित किया।
- प्रश्न 3. मौरुका बाँप में किसकी स्मृति में स्तम्भ बनाया गया?  
उत्तर:- मौरुका बाँप में जमींदार बुद्धन सिंह की स्मृति में स्तम्भ बनाया गया।
- प्रश्न 4. उच्चकोटि के साहस के लिए क्या परमावश्यक है?  
उत्तर:- उच्चकोटि के साहस के लिए कर्तव्यपरायण बनना परमावश्यक है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

- प्रश्न 1. लेखक के अनुसार साहस की कितनी श्रेणियाँ हैं?  
उत्तर:- लेखक के अनुसार साहस की तीन श्रेणियाँ हैं।
- प्रश्न 2. मातृभूमि को संकट में देखकर बुद्धन ने क्या किया?  
उत्तर:- मातृभूमि को संकट में देखकर बुद्धन ने एक बौद्ध साधियों को लेकर समय-समय पर अपने देश और राजा के सेवा के लिए यत्न किया।



दीर्घाक्षरीयक

प्र. 3. सर्वोच्च श्रेणी के वाह्य की विशेषताएँ लिखिए।

उत्तर - सर्वोच्च श्रेणी के वाह्य की विशेषताएँ ये हैं:

उत्पत्ति की यथार्थता तथा उद्देश्य और चरित्र की दृढ़ता।

प्र. 4. वाह्यी व्यक्ति अपने कर्मों के द्वारा यथार्थता प्राप्त करता है।

उत्तर - वाह्यी व्यक्ति अपने कर्मोपयोगिता के गुणों द्वारा यथार्थता प्राप्त करता है।



लिखित

- प्रश्न 1. लाजवंती हेमराज को अपनी छाती से लगाए फिरती थी।  
 2. हेमराज के सिरदर्द से लाजवंती व्याकुल हो गई।  
 3. लाजवंती का पति रामलाल मुल्तान में नौकर था।  
 4. रामलाल ने तीर्थयात्रा के खर्च का अनुमान किया तो इकट्ठा बँध गया।

- प्रश्न 2. ① लाजवंती का नारी इकट्ठा कांप गया।  
 2. बाँध में दुर्गावास अच्छे अनुभवों का वैद्य थे।  
 3. लाजवंती मंदिर पहुँची, और देवी के सामने घिरकर देर तक रोती रही।  
 4. दूरों की आँखों में कृतज्ञता के आँसू झलकने लगे।  
 5. जो सुख आशा में है वह अहंता में नहीं।

प्रश्न 3. लघु उत्तरीय प्रश्न-

प्रश्न 1. लाजवंती के बेटे का क्या नाम था? उसे क्या बीमारी हुई थी?

उत्तर: लाजवंती के बेटे का नाम हेमराज था। उसे सिरदर्द की बीमारी हुई थी।

प्रश्न 2. 'लुकमान' शब्द का प्रयोग लेखक ने किसके लिए किया है?

उत्तर: लेखक ने 'लुकमान' शब्द का प्रयोग दुर्गावास वैद्य के लिए किया है।

प्रश्न 3. लाजवंती तीर्थयात्रा के लिए कहां-कहां जा रही थी?

उत्तर: लाजवंती तीर्थयात्रा के लिए हरिद्वार, मथुरा और वृंदावन जा रही थी।

प्रश्न 4. रामलाल ने अपनी दौलत किस कहा है?

उत्तर: रामलाल ने अपनी दौलत अपने पुत्र हेमराज को कहा है।

प्रश्न 5. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. लाजवंती कोपैरों के नीचे से धरती खिसकती सी भावों लगी?

उत्तर: लाजवंती जब हेमराज के सिरदर्द की बात सुनी तो उसके पैरों के नीचे से धरती खिसकती सी लगने लगी।



प्रश्न 2. लाजवती मंदिर क्यों गई?

उत्तर: लाजवती का बेटा बीमार था उसके बलामती के लिए मंदिर में प्रार्थना करने गई।

प्रश्न 3. लाजवती ने अपने बेटे को बचाने के लिए क्या-क्या किया?

उत्तर: लाजवती ने अपने बेटे को बचाने के लिए बैचुके दिखाया, दवा चलाया तथा मंदिर में देवी माना के प्रार्थना किया और मनना मानी।

प्रश्न 4. रामलाल ने रुपये को हाथ का मैल क्यों कहा?

उत्तर: रामलाल ने रुपये को हाथ का मैल इसलिए कहा कि रुपये आता है और चला जाता है। परन्तु हमराज ही तो मेरा दोस्त है। यह बलामत रहे, बस यही इच्छा है।

प्रश्न 5. लाजवती तीर्थ यात्रा पर क्यों नहीं जा सकी?

उत्तर: लाजवती तीर्थ यात्रा पर इसलिए नहीं जा सकी क्योंकि उसने तीर्थ यात्रा के लिए जो रकम इकट्ठा की थी वह रकम माँ हरी की बेटी की शादी के लिए दे दी।



निकलिन-

1. विलोम शब्द

प्र. 1- (क) 'आदि' का विलोम होता है- अंत

ख) 'जड़' का विलोम होता है- चेतन

- प्र. 2-
- |                      |                       |
|----------------------|-----------------------|
| 1. उषेत - उग्राम     | 8. यथा - इडा          |
| 2. क्रय - विक्रय     | 9. अत्यायु - दीर्घायु |
| 3. लभ्य - अलभ्य      | 10. निर्दय - धनी      |
| 4. आकर्षण - विकर्षण  | 11. अग्रज - अनुज      |
| 5. जल - थल           | 12. कृपण - दानी       |
| 6. लौकिक - अलौकिक    | 13. उत्कर्ष - अपकर्ष  |
| 7. अनिवार्य - ऐच्छिक | 14. समीपस्थ - दूरस्थ  |

## 2- पर्यायवाची शब्द

प्र. 1 (क) आदि, दिग्, वैरी पर्यायवाची है - अन्तु के  
(ख) नीरद, नेत्रद, धरा, मेघ पर्यायवाची है - बादल के

प्र. 2 (क) मोना की ओख में मधुर गिराया।

- (ख) दोषी कपड़ा धो रहा है।  
(ग) सूरज दिन में चमकता है।  
(घ) वृक्ष पर अनेक बंदर हैं।  
(ङ) वायु जल रही है।

डू. वानभारा के लिए एक शब्द

प्र. 1 (क) अपने से पहले पैदा होने वाली बड़ी बहन कहलानी है-

अग्रजा

(ख) नाजिमा, फझन किए जाने का स्वप्न कहलाना है -  
करवला

प्र. 2 (क) जो अधिक धोलता है - वाचाल

- (ख) दस वर्ष का समय - दशाब्दी  
(ग) बिना वेतन के काम करने वाला - अर्कननिक  
(घ) जिसका पति मर गया हो - विधवा  
(ङ) ठेलकर चलाई जाने वाली गाड़ी - ठेलाबाड़ी  
(च) ऊँट की पीठ का कुबड़ - कुबड़

य. सम्प्रति मित्रार्थक शब्द

प्र. 1 (क) 'यथा' का अर्थ होता है - यथैव

(ख) 'जर' का अर्थ होता है - बुढ़ापा

प्र. 2 (क) मोहित तुम्हारी अपेक्षा गाणित में कमजोर है।

- (ख) तुम्हारी नजर में इस जमीन का क्या मूल्य है।  
(ग) जहाँ तक धन पड़े, दूसरों का उपकार करो  
(घ) मनोरथ सुन्दर है, तो फल भी सुन्दर होता है।



## 5. मंजिल दूर नहीं है

लिखित

प्रश्न 1. कविता में मंजिल क्या नहीं है?

(A) दूर (B) निकट

2. त्रिभुवन का मंदिर कैसा है?

(A) चमकदार (B) अन्धकारभ्रम

3. कवि ने शूर के लिए कौन से विशेषण का उपयोग किया है?

(A) सच्चा (B) बड़ा

4. दिशाएं किसका प्रकार साकर दीत हो उठी हैं?

(A) शूर का (B) शूर्य का

5. दिनकर जीकी तरह कविता इम में कौन से रस का संसार करती है?

(A) रोम (B) वीर

एक रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. वह प्रदीप जो फिख रहा है।

2. एक स्वेभ है शेष किसी विधि पार उसे कर जाओ।

3. दिशा दीत हो उठी प्रात कर पुण्य प्रकार तुम्हारा।

4. जिस मिट्टी ने लहू पिया वह मूल खिलाखी ही।

5. शककर बैठ राय क्या भाई मंजिल दूर नहीं है।

बहुवचनीय प्रश्न

1. "वह हेरपौ उस पार चमकता है मंदिर त्रिभुवन का"

उपर्युक्त पंक्ति में कवि ने कौन से चमकते मंदिर की बात कही है?

उत्तर: उपर्युक्त पंक्ति में कवि ने मंजिल रूपी चमकते मंदिर की बात कही है।

प्रश्न-2. किस विधि द्वारा अपनी कठिन राहों को पार करना चाहिए?

उत्तर: यत्नमं द्वारा अपनी कठिन राहों को पार करना चाहिए।

प्रश्न-3. सच्चा शूरवीर किसे कहा गया है?

उत्तर: कभी न अकने वाले को सच्चा शूरवीर कहा गया है।

प्रश्न-4. मनुष्य को अकना क्यों नहीं चाहिए?

उत्तर: मनुष्य को मंजिल पाना होता है इस लिए उसे अकना नहीं चाहिए।



दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. "हड्डि की मशाल" से कवि का क्या तात्पर्य है?  
 उत्तर :- "हड्डि की मशाल" अर्थात् शूरवीर की शारीरिक दृष्टि से प्रकाश निकलना जो मंजिल दिखा सके।

प्रश्न 2. मिट्टी लहू पीकर फूल खिलायेगी ही का अर्थ बताइए।  
 उत्तर :- मिट्टी लहू पीकर फूल खिलायेगी ही का अर्थ है कि अगर परिश्रमरूपी लहू पीकर मिट्टी मोटे का खिंचन करती है तो वह योंही फूल अवश्य खिलाती है।

प्रश्न 3. रामधारी सिंह दिनकर जी का जीवन परिचय लिखिए।  
 उत्तर :- श्री रामधारी सिंह दिनकर का जन्म 23 सितम्बर सन् 1908 ई० में बिहार राज्य के सिमरिया नामक ग्राम में हुआ था। दिनकर एक महान कवि थे। इन्हें राष्ट्रकवि के सम्मान से विश्रुति प्राप्त किया गया था। इनका निधन 24 अप्रैल 1970 ई० को हुआ था।



लिखित

प्र-1. वाक्य में प्रयोग करने पर लिंग, वचन, कारक आदि के कारण जिन शब्दों के रूप में कोई विकार अथवा परिवर्तन नहीं होता है, उसे कहा जाता है - अविकारी

2. ऐसे शब्द जो किसी वस्तु के लिए निर्दिष्ट किए गए हों तथा जिन शब्दों के धातु के भेद न किए जा सकते हों, उन्हें कहते हैं - रुढ़

प्र-2 (क) अविकारी शब्द भी परिवर्तनशील होते हैं।

(ख) विकारी शब्दों में लिंग, वचन और कारक के कारण विकार उत्पन्न होता है।

(ग) क्रिया विशेषण विकारी और संज्ञा अविकारी शब्द होते हैं।

(घ) रुढ़ शब्दों को स्वप्न में विभाजित नहीं किया जा सकता है।

प्र-3. निम्नलिखित शब्दों के उत्तर दीजिए।

(क) रचना के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? सौंपरण समझाइए।

उत्तर: रचना के आधार पर शब्द के तीन भेद होते हैं। ① रुढ़ शब्द - गाड़ी, फल आदि।

② यौगिक शब्द - डाकघर, विद्यालय, फलवाला आदि।

③ यौगिक शब्द! - चक्रधर (विष्णु)

(ख) धातु के आधार पर शब्द के कितने भेद होते हैं? सौंपरण समझाइए।

उत्तर: धातु के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं।

① धातु शब्द! - सुख, चोंक आदि।

② निर्धतु शब्द! - रघु, रजसु आदि।



प्रश्न-1. निम्नलिखित शब्दों का चिन्ह लगाइए।

(क) 'बाधा' का तत्सम शब्द है।

① बाध ② बाधक ③ बाधक ④ बाध

(ख) वर्णों के निर्मित स्वरूप एवं स्वरूपक इवनि कहलाती है।

① अक्षर ② अक्षर ③ वाच्य ④ अनुसंधान

प्रश्न-2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है।

(ख) वर्ण के मेल से शब्द का निर्माण होता है।

(ग) शब्दों के मेल से वाच्य का निर्माण होता है।

(घ) शब्द को वाच्यों में प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न-3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) शब्दों का निर्माण कैसे होता है?

(ख) शब्दों को कितने भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है? नाम लिखिए।

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों को कितने भागों में बाँटा जा सकता है? नाम लिखिए।

प्रश्न-4 निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

(क) हस्त - हाथ

(ख) शत - सौ

(ख) घट - घड़ा

(ख) बृह - घर

(ख) सर्प - साँप

(ख) उर्वर - डँट

(ख) कुश - दूध

(ख) कश - कस

प्रश्न-5 का उत्तर निम्नलिखित है।

प्रश्न-5 (क) शब्दों का निर्माण वर्णों के मेल से होता है।

(ख) शब्दों को चार भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

① उत्पत्ति के आधार पर ② रचना के आधार पर

③ अर्थ के आधार पर ④ प्रयोग के आधार पर

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों को चार भागों में बाँटा जा सकता है।

① देशज शब्द

② विदेशज शब्द

③ तत्सम शब्द

④ तद्भव शब्द



अभिलेख उत्तरीय 40

प्रश्न-1 कितने कथनों की शर्त कीजिए।

- (क) 'उपहार' कहानी का हिंदी रूपान्तर है। (दुर्गा/दुर्गा)
- (ख) कहानीकार का नाम है। (लियाँ/लालस्वाम) रस्किन बॉस
- (ग) शेरोंजा को उसके जन्मदिन पर अनेकों मिलते हैं। (उपहार/होस्त)
- (घ) शेरोंजा अपनी माँ को दिलाता है। (फिल्म/पिंजरा)
- (ङ) कहानी में दिखायी शशी चिड़िया है। (वाइल्डकनारी/चील)

प्रश्न-2 लघु उत्तरीय प्रश्न

- (क) बच्चे अपना जन्मदिन किस उद्देश्य से मनाते हैं?
- (ख) शेरोंजा की माँ शेरोंजा से क्यों कहती है कि वह चिड़िया को आजाद करे?
- (ग) चिड़िया पिंजरे से निकलने के लिए क्या करती है?
- (घ) माँ शेरोंजा से क्यों नाराज थी?
- (ङ) शेरोंजा पिंजरे को देखकर सबसे अधिक प्रसन्न क्यों होता है?

प्रश्न-3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

- (क) बच्चों की मनोकामना जन्मदिन के अवसर पर क्या होती है?
- (ख) कहानी में कौन सी घटना हुई कि जिससे शेरोंजा का बाल मम बहाल होता है और शेरोंजा को अपने आने वाले जीवन के लिए तैयार मिल जाती है?
- (ग) 'दुर्गा' (उपहार) कहानी के लेखक लियाँ लालस्वाम का जीवन परिचय लिखिए।
- (घ) शेरोंजा की माँ एक समझदार महिला थी इसका उदाहरण फिर बनाइए।
- (ङ) बच्चों का उपहार देने समय किन-किन बातों का ध्यान में रखना चाहिए।

लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर नियत दिए गए हैं।

- प्रश्न-4 (क) बच्चे अपना जन्मदिन उपहार देने के उद्देश्य से मनाते हैं।
- (ख) शेरोंजा की माँ इसलिए कहती है कि उसके चिड़ियों की देखभाल नहीं सकती है।
- (ग) चिड़िया पिंजरे से निकलने के लिए पिंजरे की दीवार पर यंत्र मार रही है।
- (घ) माँ शेरोंजा से इसलिए नाराज थी कि शेरोंजा चिड़िया पालने का जिफ नहीं छोड़ रहा था।
- (ङ) शेरोंजा पिंजरे को देखकर सबसे अधिक प्रसन्न था क्योंकि उसे लगा कि चिड़िया पालने का शौक साकार हो जाएगा।



## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर

Q.33 (क) बच्चों की मनोहरा जन्मदिन पर स्वादिष्ट भोजन और सुन्दर उपहार पाने की होती है।

एक कहानी में चिड़िया की सृष्टि हो जाती है। जिसके शरीर का बाल मन आहत होता है तथा आने वाले जीवन के लिए राख भी मिलती है कि रेखा गलती नहीं करनी चाहिए।

Q.34 लियो टॉलस्टाय का जन्म रुस की राजधानी मास्को के लगभग 100 मील दक्षिण मैत्रिक रियासत वौल्फाना में हुआ था। 22 दिसम्बर 1910 को अकस्मात के फेरे में हँसते हुए उनका देहांत हो गया।

(क) शरीर की माँ एक समझदार महिला थी। इस बात की पुष्टि तब होती है जब वह बार-बार बच्चों को समझाती है कि चिड़ियों की देखभाल नहिन हो। इसे बच्चों जैसा बालन योषण करना पड़ता है। तुम अभी बच्चे हो। इसे आजाद कर दो। इसकी देखभाल तुमसे नहीं देखेगी।

(ख) बच्चों की उपहार देने समय उसकी उम्र, रुचि तथा उपयुक्तता की बातों का ध्यान रखना चाहिए।



प्रश्न-1. निम्नलिखित शब्दों का चिन्ह लगाइए।

(क) 'बाधा' का तत्सम शब्द है।

① बाध ② बाधक ③ बाधक ④ बाध

(ख) वर्णों के निर्मित शब्दों को चार्क शब्द कहलाती है।

① अक्षर ② अक्षर ③ वाक्य ④ अनुच्छेद

प्रश्न-2 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) भाषा की सबसे छोटी इकाई वर्ण है।

(ख) वर्णों के मेल से शब्द का निर्माण होता है।

(ग) शब्दों के मेल से वाक्यों का निर्माण होता है।

(घ) शब्दों को वाक्यों में प्रयोग किया जाता है।

प्रश्न-3 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(क) शब्दों का निर्माण कैसे होता है?

(ख) शब्दों को कितने भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है? नाम लिखिए।

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों को कितने भागों में बांटा जा सकता है? नाम लिखिए।

प्रश्न-4 निम्नलिखित शब्दों के तद्भव रूप लिखिए।

(क) हस्त - हाथ

(ख) शत - सौ

(ख) घट - घड़ा

(ख) बृह - घर

(ग) सर्प - साँप

(ख) उर - डंठल

(घ) कुश - दूध

(ख) कश - कस

प्रश्न-5 का उत्तर निम्नलिखित है।

प्रश्न-5 (क) शब्दों का निर्माण वर्णों के मेल से होता है।

(ख) शब्दों को चार भागों में वर्गीकृत किया जा सकता है।

① उत्पत्ति के आधार पर ② रचना के आधार पर

③ अर्थ के आधार पर ④ प्रयोग के आधार पर

(ग) उत्पत्ति के आधार पर शब्दों को चार भागों में बांटा जा सकता है।

① देशज शब्द

① विदेशज शब्द

① तत्सम शब्द

① तद्भव शब्द



अभिलेख उत्तरीय 40

प्रश्न-1 कितने चानों की शर्त कीजिए।

- (क) 'उपहार' कहानी का हिंदी रूपान्तर है। (दुर्गा/दुर्गा)
- (ख) कहानीकार का नाम है। (लियाँ टोलस्वाम) रस्किन बॉस
- (ग) शेरोंजा को उसके जन्मदिन पर अनेकों मिलते हैं। (उपहार/होस्त)
- (घ) शेरोंजा अपनी माँ को दिसाता है। (फिल्म/पिंजरा)
- (ङ) कहानी में दिखायी शशी चिड़िया है। (वाइल्डकनारी/चील)

प्रश्न-2 लघु उत्तरीय प्रश्न

- (क) बच्चे अपना जन्मदिन किस उद्देश्य से मनाते हैं?
- (ख) शेरोंजा की माँ शेरोंजा से क्यों कहती है कि वह चिड़िया को आजाद करे?
- (ग) चिड़िया पिंजरे से निकलने के लिए क्या करती है?
- (घ) माँ शेरोंजा से क्यों नाराज थी?
- (ङ) शेरोंजा पिंजरे को देखकर सबसे अधिक प्रसन्न क्यों होता है?

प्रश्न-3 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

- (क) बच्चों की मनोकामना जन्मदिन के अवसर पर क्या होती है?
- (ख) कहानी में कौन सी घटना हुई कि जिससे शेरोंजा का बाल मम बहाल होता है और शेरोंजा को अपने आने वाले जीवन के लिए तैयार मिल जाती है?
- (ग) 'दुर्गा' (उपहार) कहानी के लेखक लियाँ टोलस्वाम का जीवन संक्षेप लिखिए।
- (घ) शेरोंजा की माँ एक समझदार महिला थीं इसका उदाहरण फिर बनाइए।
- (ङ) बच्चों का उपहार देने समय किन-किन बातों का ध्यान में रखना चाहिए।

लघु उत्तरीय एवं दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों का उत्तर निम्न दिए गए हैं।

- प्रश्न-1 (क) बच्चे अपना जन्मदिन उपहार देने के उद्देश्य से मनाते हैं।
- (ख) शेरोंजा की माँ इसलिए कहती है कि उसके चिड़ियों की देखभाल नहीं सकती है।
- (ग) चिड़िया पिंजरे से निकलने के लिए पिंजरे की दीवार पर यंत्र मार रही है।
- (घ) माँ शेरोंजा से इसलिए नाराज थी कि शेरोंजा चिड़िया पालने का जिद नहीं छोड़ रहा था।
- (ङ) शेरोंजा पिंजरे को देखकर सबसे अधिक प्रसन्न था क्योंकि उसे लगा कि चिड़िया पालने का शौक साकार हो जाएगा।



## दीर्घ उत्तरीय प्रश्न का उत्तर

Q.33 (क) बच्चों की मनोहरा जन्मदिन पर स्वादिष्ट भोजन और सुन्दर उपहार पाने की होती है।

एक कहानी में चिड़िया की सृष्टि हो जाती है। जिससे शेरों का बाल मन आहत होता है तथा अपने वाले जीवन के लिए खर भी मिलती है कि रेखी गलती नही करनी चाहिए।

Q.34 लियो टॉलस्टाय का जन्म रुस की राजधानी मास्को के लगभग 100 मील दक्षिण मैत्रिक रियासत वौल्फाना में हुआ था। 22 दिसम्बर 1910 को अकस्मात के फेरे में हरे होने से उनका देहांत हो गया।

(क) शेरों का की माँ एक समझदार महिला थी। इस बात की पुष्टि तब होती है जब वह बार-बार बच्चों को समझाती है कि चिड़ियों की देखभाल नहिन हो। इसे बच्चों जैसा बालन योषण करना पड़ता है। तुम अभी बच्चे हो। इसे आजाद कर दो। इसकी देखभाल तुमसे नही देखेगी।

(ख) बच्चों की उपहार देने समय उसकी उम्र, रुचि तथा उपयुक्तता की बातों का ध्यान रखना चाहिए।



पाठ-1. फूल और कोंठ

लिखित 1.

क्र-1 खिन्न शब्दों की पूर्ति कीजिए।

- (क) एक ही जगह में \_\_\_\_\_ लेते-हैं। (जन्म/संघ)
- (ख) फूल मर \_\_\_\_\_ चमकता हैं। (चोंफ/ओस)
- (ग) फूल और कोंठ के \_\_\_\_\_ एक नहीं होते। (दंश/योद्ध)
- (घ) कलकलजी \_\_\_\_\_ जाता है। (खिला/मुश्का)
- (ङ) मैयरा \_\_\_\_\_ होता है। (काला/सफेद)

लघुउत्तरीय क्र०

क्र-2 निम्नलिखित प्रश्नों के संक्षिप्त उत्तर दीजिए।

- (क) वृक्षों से हमें क्या-क्या मिलता है?
- (ख) योद्धे को मनपने हेतु किस-किस संसाधन की आवश्यकता होती है?
- (ग) कविता के अनुसार कोंठ उँगली में चुभने के अतिरिक्त और क्या-क्या करता है।
- (घ) चार ऐसे फूलों के नाम बताइए जो सुगन्ध देने के साथ-साथ सुन्दर भी लगते हैं।

दीर्घ उत्तरीय प्र० 3

- प्र (क) "फूल और कोंठ" कविता की ज्वाला अपने शब्दों में कीजिए।
- (ख) प्रकृत किस प्रकार मालनहार का कार्य करती है?



लिखित

प्र० - 1. रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

- (क) अब तो चन्दू बड़ों के चरण छूता है  
(ख) बिरम काका कह रहे थे कि लक्ष्मी पर आणी।  
(ग) को हम सबसे ही मोह है।  
(घ) दादा जी का जवाब सुनकर सब बहाका मारकर रहे थे।  
(ङ) आप ठीक कहते हैं कि बुरी आदतों का फल भी होता है।

लघु उत्तरीय प्र०

- प्र० - 2 (क) रामलाल ने हमारा क्या कर्तव्य बताया है।  
(ख) चन्दू बैंक क्यों बनाया था।  
(ग) बिरम काका के लड़के ने किस बात की अक्का की।  
(घ) मैले में क्या प्रोत्साहन था।

दीर्घ उत्तरीय प्र०

प्र० - 3. (क) चन्दू में अब बहुत समझ आ गई है। इस कथन का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) बुआ जी को संभालने के लिए दादा जी ने कौन से दो कारण बताए।

(ग) बिरजू के सङ्घर्ष में होने वाले झगड़े का क्या कारण था? दादा जी ने चन्दू का क्या नसीहत की।



अतिलघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1) महादेवी वर्मा किसके साथ दाम्पत्य जीवन बिताती हैं?

- 1) माता 2) पुत्री 3) बहन

2) महादेवी जी की आचार्या का नाम क्या था?

- 1) कुमारी तुलाकर 2) कुमारी भास्कर 3) कुमारी सुल्कर

3. पंडित जवाहर लाल नेहरू जी की धर्मपत्नी का नाम क्या था?

- 1) विमला नेहरू 2) निर्मला नेहरू 3) कमला नेहरू

4. महादेवी वर्मा जी जवाहरलाल नेहरू जी से मिलने के लिए कहाँ से आती हैं?

- 1) मुंबई 2) हरिद्वार 3) दिल्ली

5. महादेवी जी ने किस कक्षा में प्रान्तभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया?

- 1) कक्षा-8 2) मैट्रिक 3) कक्षा-7

लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1) महादेवी वर्मा जी अपनी आचार्या कुमारी तुलाकर के साथ तर्जनी पर बँधने से पहले अपने कपड़े क्यों नहीं बदलती और बँध उनके हाथ में ही क्यों रह जाता है?

2) जब महादेवी वर्मा जी मुंबई से दिल्ली जवाहर लाल नेहरू जी से मिलने जाती हैं तब महादेवी जी के साथ और कौन जाता है?

3) महादेवी जी ने किस आयु से कविता लिखना प्रारंभ कर दिया था?

4) क्यों हमारे देश के प्रथम प्रधानमंत्री कोन थे उनका नाम बताइए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1. महादेवी वर्मा जी का जीवन-परिचय लिखिए।



लिखित सभी विकल्प पर (✓) का चिह्न लगाइए।

प्र. 1 (क) वर्णों के मेल को कहते हैं-

(1) शब्द, (2) भाषा, (3) उच्चारण (4) वर्तनी

(ख) स्वर्यक ध्वनियों के बोलने को हम कहते हैं-

(1) वर्ण (2) भाषा (3) उच्चारण (4) वर्तनी

(ग) वर्णों को बोलने की व्यवस्था को कहते हैं-

(1) भाषा (2) शब्द (3) उच्चारण (4) वर्तनी

प्र. 2. नीचे लिखे वाक्यों में कोष्ठक से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

(क) गाँव में दशहरा का \_\_\_\_\_ लगा है। (मैला/मैला)

(ख) मरीज को शीघ्र \_\_\_\_\_ लगा है। (खुई/खुई)

(ग) अपना \_\_\_\_\_ बमवा लौ (कार्ड/कार्ड)

(घ) शक्ति को जाने का बहुत \_\_\_\_\_ है। (शौक/शौक)

प्र. 3 निम्नलिखित सवालों के उत्तर दीजिए।

(क) उच्चारण से आप क्या समझते हैं?

(ख) वर्तनी की परिभाषा बताइए।

(ग) कौन से वर्ण के छय वर्ण कहलाते हैं?